इक्विटी फंडों के पास बढ़ी नकदी

इक्विटी फंडों के पास 6.8 फीसदी नकदी, जो कम से कम मई 2021 के बाद का सर्वोच्च स्तर है

अभिषेक कुमार
मुंबई, 17 मार्च

म्युचुअल फंडों की इक्विटी योजनाओं के पास इस महीने की शुरुआत में भरपूर नकदी थी जबकि फरवरी में नया निवेश सिकुड़ा है।

मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार 28 फरवरी तक 20 अग्रणी फंड कंपनियों की इक्विटी योजनाओं के पोर्टफोलियो में 6.8 फीसदी नकदी थी जो जनवरी में 6.1 फीसदी और दिसंबर 2024 में 5.9 फीसदी थी। यह कम से कम मई 2021 के बाद सबसे ज्यादा नकदी है। नकदी के स्तर को अक्सर फंड मैनेजरों के मार्केट आउटलुक के तौर पर देखा जाता है। म्युचुअल फंडों के अधिकारी हालांकि पूरी तरह से निवेशित बने रहने की अनिवार्यता पर जोर देते हैं। लेकिन बाजार की अनिश्चितता, आगे खरीदारी के बेहतर अवसर मिलने की उम्मीद या अत्यधिक मूल्यांकन वाली अवधि के दौरान वे रणनीतिक तौर पर नकदी रखते हैं।

निवेश में सुस्ती के बावजूद बढ़ी नकदी

- 20 अग्रणी फंड कंपनियों में से एसबीआई, ऐक्सिस और टाटा के पास फरवरी में नकदी में खासी बढ़ोतरी हुई
- सिर्फ चार फंड कंपनियों ऐक्सिस, क्वांट, मोतीलाल ओसवाल और पराग पारिख के पास नकदी का स्तर 10 फीसदी से ज्यादा रहा

लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि इक्विटी योजनाओं में नकदी के स्तर में बदलाव अस्थायी भी हो सकता है, जो पोर्टफोलियो के अहम समायोजन या तीव्र निवेश या महीने के आखिर में काफी ज्यादा निकासी के कारण संभव है।

शेयर बाजार पिछले कई महीनों से गिरावट के दौर से गुजर रहा है। फरवरी में उसने लगातार पांचवे महीने गिरावट दर्ज की। बेंचमार्क निफ्टी 50 इंडेक्स में 5.9 फीसदी की गिरावट आई जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 10 फीसदी से ज्यादा की नरमी दर्ज हुई।

हाल में हुई गिरावट से इक्विटी के मूल्यांकन में नरमी के बावजूद फंड मैनेजर इस बात पर जोर देते हैं कि लार्जकैप को छेड़कर दूसरे शेयरों में मूल्यांकन महंगे बने हुए हैं। स्मॉलकैप और मिडकैप शेयर (जो म्युचुअल फंडों के अधिकांश निवेश को आकर्षित करते हैं) लार्जकैप के मुकाबले काफी प्रीमियम पर कारोबार करना जारी रखे हुए हैं। हालांकि हाल के महीनों में यह प्रीमियम कम हुआ है।

टाटा एमएफ के एक नोट के अनुसार, निफ्टी 50 के मुकाबले निफ्टी मिडकैप 100 का मूल्यांकन प्रीमियम फरवरी 2025 के अंत तक घटकर 47 फीसदी रह गया जो जुलाई 2024 के करीब 71 फीसदी के उच्च स्तर से काफी नीचे है। इसी तरह निफ्टी 50 के मुकाबले स्मॉलकैप का मूल्यांकन प्रीमियम भी फरवरी में घटकर 25-30 फीसदी रह गया।

20 अग्रणी फंड कंपनियों में से एसबीआई, ऐक्सिस और टाटा के पास फरवरी में नकदी में खासी बढ़ोतरी हुई। लेकिन सिर्फ चार फंड कंपनियों ऐक्सिस, क्वांट, मोतीलाल ओसवाल और पराग पारिख के पास नकदी का स्तर 10 फीसदी से ज्यादा रहा।

फंड मैनेजरों का संकेत है कि बाजार में अल्पावधि के झंझावात बने रह सकते हैं लेकिन गिरावट ने लंबी अवधि के निवेशकों के लिए खरीदारी के आकर्षक मौके सृजित किए हैं।

एसबीआई फंड ने हालिया नोट में कहा है, बाजार के मौजूदा झंझावात लंबी अवधि के निवेशकों के लिए प्रवेश के अच्छे स्तर की पेशकश करते हैं। भारतीय इक्विटी के लिए मध्यम से लेकर लंबी अवधि का परिदृश्य आय के चक्र में बढ़ोतरी के साथ जुड़ा हुआ है। हम अल्पावधि की नरमी के साथ चल रहे हैं, लेकिन मध्यम अवधि का रुख उत्साहजनक बना हुआ है।

एनएसीएल 4 दिन में 65% चढ़ा

दीपक कोरगांवकर
मुंबई, 17 मार्च

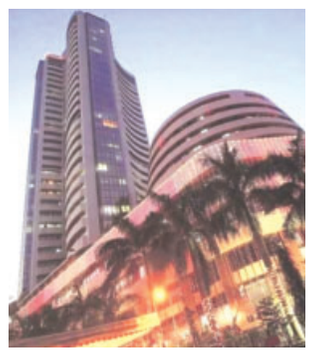

एनएसीएल इंडस्ट्रीज का शेयर सोमवार को बीएसई पर 20 प्रतिशत की तेजी के साथ 110.79 रुपये के दो साल के ऊंचे स्तर को छूने में कामयाब रहा। पिछले चार कारोबारी दिनों में, इस पेस्टीसाइड और एग्रोकेमिकल कंपनी का शेयर करीब 65 फीसदी चढ़ा है। कृषि-समाधान प्रदाता कोरोमंडल इंटरनैशनल ने 12 मार्च को घोषणा की कि उसने एनएसीएल में नियंत्रण हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस घोषणा के बाद से इसमें तेजी बनी हुई है। मार्च में अब तक, यह शेयर 28 फरवरी, 2024 के 54 रुपये के स्तर से 105 प्रतिशत तक उछल चुका है। शेयर सोमवार को 2 जनवरी, 2023 के बाद से अपने सर्वाधिक ऊंचे स्तर पर बंद हुआ।

आज एनएसई और बीएसई पर एनएसीएल के कुल 1.79 करोड़ इक्विटी शेयरों का कारोबार हुआ।

मुरुगप्पा समूह की कंपनी कोरोमंडल इंटरनैशनल का शेयर भी आज 5 प्रतिशत बढ़कर 1,889.40 रुपये पर बंद हुआ। पिछले तीन दिन में इस शेयर में 10 प्रतिशत की तेजी आई है। 6 जनवरी 2025 को उसने 1,977.10 रुपये के 52-सप्ताह के ऊंचे स्तर को छुआ था।

एनएसीएल भारत की फसल संरक्षण कंपनी है और घरेलू बाजारों में उसकी ब्रांडेड फॉर्मूलेशन व्यवसाय में मजबूत उपस्थिति है। कंपनी कई प्रमुख वैश्विक हिस्सों में अपने उत्पादों का निर्यात करती है और वैश्विक बहुराष्ट्रीय कृषि रसायन कंपनियों के साथ अनुबंध निर्माण कार्यों से जुड़ी हुई है। एनएसीएल के मौजूदा प्रवर्तक केएलआर प्रोडक्ट्स लिमिटेड से कोरोमंडल 76.7 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 820 करोड़ रुपये में 53 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने जा रही है। कोरोमंडल ने सेबी अधिग्रहण नियमों के अनुसार कंपनी की इक्विटी शेयर पूंजी का 26 प्रतिशत तक आम निवेशकों से खरीदने के लिए खुली पेशकश भी की है। प्रस्तावित लेनदेन नियामकीय मंजूरी पर टिका है और इसके अगले कुछ महीनों में पूरा होने की संभावना है। कोरोमंडल ने कहा कि प्रस्तावित अधिग्रहण से कंपनी भारतीय फसल संरक्षण उद्योग में अग्रणी कंपनियों में से एक बन जाएगी। उसकी घरेलू फॉर्मूलेशन व्यवसाय में पूरे भारत में मौजूदगी होगी और उसे तकनीकी दक्षता मिल जाएगी। इससे कोरोमंडल का कारोबार बढ़ाने, अनुबंध निर्माण व्यवसाय में अपनी पैठ मजबूत बनाने और मौजूदा उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने में भी मदद मिलेगी।

प्रबंधन ने कहा है कि इस अधिग्रहण से घरेलू और निर्यात बाजारों, दोनों में फसल संरक्षण व्यवसाय में कोरोमंडल की उपस्थिति मजबूत होगी।

नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट के अनुसार भारत में निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी फॉस्फेटिक उर्वरक निर्माता कंपनी कोरोमंडल पोषक तत्व आधारित सब्सिडी योजना पर अमल के साथ भारत में यौगिक उर्वरक क्षेत्र में सबसे बड़ी लाभार्थी बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रही है।

एफऐंडओ नियमों में बदलाव पर आपत्ति

पृष्ठ-1 का शेष

एफआईए ने तर्क दिया कि डेल्टा गणना वैश्विक डेरिवेटिव बाजार में असामान्य है और इससे परिचालन संबंधी चुनौतियां आती हैं। एसोसिएशन ने कहा, 'डेल्टा-समायोजित सीमा लागू करने के लिए ट्रेडिंग ईकोसिस्टम में गणना, निगरानी और प्रसार के कई स्तर की आवश्यकता होती है, जिससे परिचालन बोझ और त्रुटि का जोखिम बढ़ जाता है।'

इंडेक्स एफऐंडओ के लिए सेबी की प्रस्तावित पोजीशन सीमा पर एफआईए ने कहा कि इकाइयां अभी भी अल्पावधि आउट-ऑफ-द-मनी ऑप्शन में बड़ी पोजीशन ले सकती हैं। प्रस्तावित उपाय इस समस्या से निपटने में विफल हो सकते हैं। इसके अलावा एफआईए ने बताया कि सकल डेल्टा सीमा सामान्य रूप से उपयोग की जाने वाली ट्रेडिंग रणनीति में बाधा पैदा कर सकती है।

इसके विपरीत अन्य रणनीतियों में सकल डेल्टा गणना द्वारा दर्शाए गए जोखिम से कम जोखिम हो सकता है। एफआईए ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसी सीमा बाजार में तरलता सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ट्रेडर्स और मार्केट मेकर पर गंभीर पाबंदी लगा सकती हैं।

एसोसिएशन ने आगाह किया कि यह मांग तथा तरलता की आपूर्ति सीमित करने सहित बाजार में बुनियादी असंतुलन पैदा करेगी।

एंकर लॉक-इन अवधि समाप्त होने से नए शेयरों पर दबाव

हाल में सूचीबद्ध कंपनियों इन्वेंटरस नॉलेज सॉल्युशंस और वन मोबीक्विक सिस्टम्स के शेयरों में सोमवार को भारी गिरावट आई। इसकी वजह एंकर निवेशकों की तीन महीने की लॉक-इन अवधि समाप्त होना है। आईकेएस के शेयरों में 11.8 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि मोबीक्विक का शेयर 9 फीसदी लुढ़क गया। हालांकि, विशाल मेगा मार्ट और साई लाइफ साइंसेज (जिनकी भी एंकर लॉक-इन अवधि समाप्त हो गई थी) ने शुरुआती नुकसान से उबरते हुए 2 प्रतिशत और 0.6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। बाजार विश्लेषकों के अनुसार नए सूचीबद्ध शेयरों में गिरावट चिंताजनक है क्योंकि एंकर निवेशक बदलते बाजार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए अपनी होल्डिंग बेचने पर जोर दे सकते हैं। एक ब्रोकर ने कहा, 'अधिकांश नई लिस्टिंग अपने शिखर से नीचे आ चुकी हैं और चूंकि एंकर निवेशक अब बेचने के लिए स्वतंत्र हैं। इसलिए आगे और गिरावट का जोखिम है।'

बीएसई आईपीओ इंडेक्स में पिछले 6 महीनों के दौरान 25 फीसदी की गिरावट आई है। इंटरनैशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट इंडिया (आईजीआई) के शेयर की लॉक-इन अवधि मंगलवार को समाप्त हो रही है जबकि 9 अन्य कंपनियों के मामले में यह इस महीने के आखिर में समाप्त हो जाएगी। *बीएस*

ओला का शेयर 7.2 फीसदी लुढ़का

दोपहिया निर्माता ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का शेयर सोमवार को 7 फीसदी से ज्यादा गिर गया। कंपनी ने खुलासा किया है कि उसकी एक इकाई को दिवालिया याचिका का सामना करना पड़ा है। इसके बाद उसके शेयर पर दबाव देखा गया। कंपनी का शेयर 46.9 रुपये पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 7.2 प्रतिशत कम है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता ने शनिवार को कहा था कि वाहन पंजीकरण सेवा प्रदाता और ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज की लेनदार रोसमेर्टा डिजिटल सर्विसेज ने भुगतान में चूक का आरोप लगाते हुए इकाई के खिलाफ याचिका दायर की है। उसने चूक की राशि के बारे में जानकारी नहीं दी। ओला इलेक्ट्रिक ने इन दावों का खंडन किया और कहा कि उसने कानूनी सलाह मांगी है। 76 रुपये के अपने आईपीओ भाव से यह शेयर अब 38 फीसदी नीचे है। अगस्त 2024 में अपने हाई-प्रोफाइल प्रवेश के बाद से ओला इलेक्ट्रिक को बिक्री में गिरावट और बढ़ी हुई नियामकीय जांच सहित कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि कंपनी ने नवंबर से अब तक कम से कम दो बार नौकरियों में कटौती की है और अब वह लागत कटौती तथा इन्वेंट्री प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने बिक्री और सेवा नेटवर्क का पुनर्गठन कर रही है। *बीएस / रॉयटर्स*

गोल्ड लोन एयूएम बढ़ने से मुथूट फाइनैंस का शेयर 4 फीसदी उछला

मुथूट फाइनैंस का शेयर मंगलवार को बीएसई पर 4 फीसदी उछलकर 2,287.15 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी ने बताया कि 14 मार्च तक गोल्ड लोन के तहत प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 1 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई हैं। इसकी वजह अन्य स्रोतों से कर्ज की उपलब्धता में नरमी के बीच गोल्ड लोन की मजबूत मांग है। अपने बयान में अग्रणी गोल्ड लोन एनबीएफसी ने कहा कि यह उपलब्धि गोल्ड लोन की मजबूत मांग के कारण आई है क्योंकि फिनटेक ऋण, असुरक्षित ऋण और माइक्रोफाइनैंस सहित अन्य स्रोतों से कर्ज की उपलब्धता हाल के महीनों में कम हुई है।

मुथूट समूह की प्रमुख कंपनी भारत में गोल्ड लोन पर केंद्रित सबसे बड़ी एनबीएफसी में से एक है। उसने वित्त वर्ष 2025 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 33 फीसदी की वृद्धि दर्ज की जो 1,363 करोड़ रुपये रही जबकि उसकी शुद्ध ब्याज आय 43 फीसदी बढ़कर 2,721.4 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। मुथूट फाइनैंस ने कहा कि उसने पिछले नौ महीनों में 13.7 लाख नए ग्राहक जोड़कर अपने ग्राहक आधार को मजबूत किया है जिसे ग्राहक जोड़ने की रणनीति में वृद्धि से समर्थन मिला है। *बीएस*

ई-नीलामी के 12वें दौर के लिए सार्वजनिक सूचना - पुंज लॉयड लिमिटेड (परिसमापन में)

दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के अनुसार कंपनी की चालू व्यवसाय के आधार पर और वैकल्पिक रूप से कंपनी की विभिन्न संपत्तियों की बिक्री

पुंज लॉयड लिमिटेड ('कंपनी') की 'परिसंपत्तियों के विभिन्न सेट', जिसमें नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित विवरण के अनुसार कंपनी की गोइंग कंसर्न के आधार पर बिक्री और कंपनी की विभिन्न परिसंपत्तियों की स्टैंडअलोन आधार और सामूहिक बिक्री शामिल है, सार्वजनिक ई-नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से बिक्री के लिए ई-नीलामी के **12वें** दौर की घोषणा। कंपनी माननीय राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, प्रधान पीठ, नई दिल्ली के **27 मई 2022** के आदेश के अनुसार परिसमापन चल रहा है। कंपनी को 1988 में निगमित किया गया था, यह एक अच्छी तरह से विविध व्यापार समूह है, जो भारत और मध्य पूर्व में भौगोलिक उपस्थिति के साथ इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण के व्यवसाय में लगा हुआ है। यह रक्षा क्षेत्र में विनिर्माण क्षमताओं के साथ-साथ ऊर्जा, सड़क और बुनियादी ढांचे में सेवाएं प्रदान करता है।

इच्छुक आवेदक कंपनी की वेबसाइट **http://www.punjlloydgroup.com/liquidation-documents** और ई-नीलामी वेबसाइट **https://ncltauction.auctiontiger.net** पर अपलोड किए गए विस्तृत 'ई-नीलामी के 12वें दौर के लिए परिसंपत्ति बिक्री प्रक्रिया ज्ञापन' ('**एएसपीएम**') का संदर्भ ले सकते हैं।

नीलामी बिक्री ई-नीलामी प्लेटफॉर्म **https://ncltauction.auctiontiger.net** के माध्यम से की जाएगी।

ई-नीलामी के 12वें दौर में बेची जाने वाली कंपनी की प्रस्तावित संपत्तियों का विवरण इस प्रकार है:

सम्पत्ति का सेट	सम्पत्ति का विवरण	बिक्री की रीति	ई-नीलामी की तिथि एवं समय	आरक्षित मूल्य (रु.)	ईएमडी राशि (रु. में) तथा जमा करने की अंतिम तिथि
		श्रेणी ए			
सम्पत्ति सेट 1	समग्र रूप में पुंज लॉयड लिमिटेड की बिक्री ('एएसपीएम' में प्रदान की गई कुछ संपत्तियों को छोड़कर)	गोइंग कंसर्न आधार पर	10 अप्रैल, 2025 को 10:00 बजे भा.मा.स. से 12:00 बजे भा.मा.स.	341.92 करोड़	10.00 करोड़ तिथि 07 अप्रैल, 2025 तक
		श्रेणी सी*			
सम्पत्ति सेट 2	पुंज लॉयड लिमिटेड की आर्बिट्रेशन परिसंपत्तियों की बिक्री	सामूहिक आधार पर	11 अप्रैल, 2025 को 10:00 बजे भा.मा.स. से 12:00 बजे भा.मा.स.	175.90 करोड़	10.00 करोड़ तिथि 08 अप्रैल, 2025 तक
		श्रेणी डी*			
सम्पत्ति सेट 3	मालनपुर, मध्य प्रदेश में लीजहोल्ड भूमि, भवन और संयंत्र एवं मशीनरी की बिक्री	सामूहिक आधार पर	11 अप्रैल, 2025 को 10:00 बजे भा.मा.स. से 12:00 बजे भा.मा.स.	70.50 करोड़	7.05 करोड़ तिथि 08 अप्रैल, 2025 तक
सम्पत्ति सेट 4	सिंधुदुर्ग जिला, महाराष्ट्र में भूमि की बिक्री	स्टैण्डएलोन आधार पर	11 अप्रैल, 2025 को 10:00 बजे भा.मा.स. से 12:00 बजे भा.मा.स.	11.30 करोड़	1.13 करोड़ तिथि 08 अप्रैल, 2025 तक
सम्पत्ति सेट 5	मेहसाणा, गुजरात में भूमि की बिक्री	स्टैण्डएलोन आधार पर	11 अप्रैल, 2025 को 10:00 बजे भा.मा.स. से 12:00 बजे भा.मा.स.	89 लाख	8.90 लाख तिथि 08 अप्रैल, 2025 तक
सम्पत्ति सेट 6	ओडिशा में डीएपीएल स्थल पर संयंत्र एवं मशीनरी और इन्वेंट्री की बिक्री	सामूहिक आधार पर	11 अप्रैल, 2025 को 10:00 बजे भा.मा.स. से 12:00 बजे भा.मा.स.	29 लाख	2.90 लाख तिथि 08 अप्रैल, 2025 तक
सम्पत्ति सेट 7	छत्तीसगढ़ में आरएसआरपी साइट पर संयंत्र और मशीनरी की बिक्री	सामूहिक आधार पर	11 अप्रैल, 2025 को 10:00 बजे भा.मा.स. से 12:00 बजे भा.मा.स.	26.50 करोड़	2.65 करोड़ तिथि 08 अप्रैल, 2025 तक

* यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि श्रेणी ए के तहत परिसंपत्ति सेट 1 के लिए सफल बोलीदाता घोषित किया जाता है, अर्थात, कंपनी की बिक्री एक गोइंग कंसर्न के आधार पर होती है, तो परिसमापक श्रेणी सी तथा श्रेणी डी के तहत सभी परिसंपत्ति सेटों की ई-नीलामी रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसके अलावा, परिसमापक ई-नीलामी के 12वें दौर के तहत बेची जा रही किसी भी या सभी श्रेणियों और/या परिसंपत्तियों के सेट की ई-नीलामी रद्द करने का अधिकार भी सुरक्षित रखता है।

इसके अलावा, संशोधित आईबीबीआई (परिसमापन प्रक्रिया) विनियम, 2016 के प्रावधानों के अनुसार, संबंधित श्रेणी(यों) और/या परिसंपत्ति(यों) के सेट के लिए सभी इच्छुक बोलीदाताओं को एक हलफनामा प्रस्तुत करना आवश्यक है कि वे आईबीसी की धारा 29ए के तहत किसी भी तरह की अयोग्यता से ग्रस्त नहीं हैं और यदि किसी भी स्तर पर अयोग्य पाए जाते हैं, तो इच्छुक बोलीदाताओं द्वारा जमा की गई किसी भी राशि के साथ जमा धरोहर राशि को परिसमापक द्वारा जब्त कर लिया जाएगा। 29ए पात्रता हलफनामे का प्रारूप एएसपीएम में दिया गया है।

परिसमापक ई-नीलामी के 12वें दौर में बेची जा रही किसी भी या सभी श्रेणियों और/या परिसंपत्तियों के सेट के लिए समयसीमा सहित बिक्री प्रक्रिया की मुख्य शर्तों को लागू कानूनों और विनियमों के तहत स्वीकार्य सीमा तक संशोधित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। किसी भी या सभी श्रेणियों और/या परिसंपत्तियों के सेट के लिए बिक्री प्रक्रिया समयसीमा के संबंध में किसी भी समयसीमा के संशोधन/विस्तार के बारे में कोई भी जानकारी कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी और योग्य/पात्र/सफल बोलीदाताओं को सूचित की जाएगी।

सम्पत्ति सेट 1 और 3 के बारे में जानकारी और क्रेडेंशियल युक्त लघु वीडियो तक पहुँचने के लिए कृपया नीचे दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करें:

(सम्पत्ति सेट 1) (सम्पत्ति सेट 3)

सम्पत्ति सेट 1 एवं 3 से संबंधित बिक्री टीजर के लिए कृपया निम्नलिखित क्यूआर कोड स्कैन करें।

(सम्पत्ति सेट 1) (सम्पत्ति सेट 3)

इसमें निहित कोई भी बात कंपनी की परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए बाध्यकारी प्रस्ताव या प्रतिबद्धता का गठन नहीं करेगी, जिसमें समग्र रूप से गोइंग कंसर्न के रूप में कंपनी की बिक्री भी शामिल है।

यदि किसी और स्पष्टीकरण की आवश्यकता हो तो कृपया श्री अश्विनी मेहरा से **LQ.PUNJ@in.gt.com** या **Mehra.ashwini@gmail.com** या श्री सुरेन्द्र राज गंग से **Surendra.raj@in.gt.com** पर संपर्क करें (जीटी रीस्ट्रक्चरिंग सर्विसेज एलएलपी, आईपीई के प्रतिनिधि जिन्हें परिसमापक के पेशेवर सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है)।

हस्ता./-
अश्विनी मेहरा
परिसमापक
(पंजीकरण संख्या: आईबीबीआई/आईपीए-001/आईपी-पी00388/2017-18/10706)
पुंज लॉयड लिमिटेड - परिसमापन में
असाइनमेंट के लिए प्राधिकार -30 जून 2025 तक वैध
पत्राचार पता:
श्री अश्विनी मेहरा, परिसमापक
पुंज लॉयड लिमिटेड
वाया श्री सुरेंद्र राज गंग
जीटी रीस्ट्रक्चरिंग सर्विसेज एलएलपी एल-41, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली-110001
ई-मेल: LQ.PUNJ@in.gt.com
आईबीबीआई के साथ परिसमापक का पंजीकृत पता
सी 1201, सलारपुरिया मैग्नीफिया, ओल्ड मद्रास रोड, बैंगलोर 560016
ई-मेल: Mehra.Ashwini@gmail.com

दिनांक: 18 मार्च, 2025
स्थान: नई दिल्ली